विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -३० -०६ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ -१० महादेवी वर्मा जी के जीवन परिचय के बारे में अध्ययन करेंगे।

महादेवी वर्मा का जीवन-परिचय:

महादेवी वर्मा 'पीड़ा की गायिका' से रूप में सुप्रसिद्ध छायावादी कवयित्री होने के साथ एक उत्कृष्ट गद्य-लेखिका भी थी। गुलाबराय- जैसे शीर्षस्तरीय गद्यकार ने लिखा है- "मैं गद्य में महादेवी का लोहा मान्ता हूँ।"
महादेवी वर्मा का जन्म फर्रुखाबाद के एक सम्पन्न परिवार में सन् 1907 ई. में हुआ था। इन्दौर में प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद इन्होंने क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज, इलाहाबाद में शिक्षा प्राप्त की।

इनका विवाह स्वरूप नारायण वर्मा से ग्यारह वर्ष की अल्प आयु में ही हो गया थ ससुर जी के विशेध के कारण इनकी शिक्षा में व्यवधान आ गया, परन्तु उनके निधन के पश्चात् इन्होंने पुन: अध्ययन प्रारम्भ किया और प्रयाग विश्वविद्यालय से संस्कृत विषय में एम.ए् की परी खा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की।

वे 1965 ई. तक प्रयाग महिला विद्यापीठ की प्रधानाचार्या के रूप में कार्यरत रहीं। इन्हें उत्तर प्रदेश विधान परिषद की सदस्या भी मनोनीत किया गया। इनका देहावसान 11 सितम्बर 1987 ई. को प्रयाग में हुआ।

महादेवी वर्मा की रचनाएँ:

- ***निबन्ध-संग्रह*** **- खणदा, श्रृंखला की कड़ियॉ, अबला और सबला, साहित्यकार की आस्थ,**
- ***संस्मरण और रेखाचित्र-*** **स्मृति की रेखाएँ, अतीत के चलचित्र पथ के साथी, मेरा परिवार**
- ***सम्पादन*** **चॉद (पत्रिका) और आधुनिक कवि**
- ***आलोचना-*** **हिन्दी का विवेचनात्मक गद्य , यामा, दीपशिखा,**
- ***काव्य रचनाएँ-*** **नीहार, नीरजा, रश्मि, सान्ध्यगीत, दीपिशखा, यामा**

महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य:

- **रेखाचित्र: अतीत के चलचित्र (१९४१) और स्मृति की रेखाएं (१९४३),**
- **संस्मरण: पथ के साथी (१९५६) और मेरा परिवार (१९७२) और संस्मरण (१९८३)**
- **चुने हुए भाषणों का संकलन: संभाषण (१९७४)**
- **निबंध: शृंखला की कड़ियाँ (१९४२), विवेचनात्मक गद्य (१९४२), साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध (१९६२), संकल्पिता (१९६९)**
- **ललित निबंध: क्षणदा (१९५६)**
- **कहानियाँ: गिल्लू**
- **संस्मरण, रेखाचित्र और निबंधों का संग्रह: हिमालय (१९६३),**
-